Journal of Communication and Management, 2024;3(2):138-140

Journal of Communication and Management

ISSN: 2583-617X (Online)

Journal home page: https://jcoma.com

Research Article DOI: 10.58966/JCM2024329

भारतीय कला संस्कृति के संवर्धन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका

हरिओम कुमार*, प्रशांत कुमार

मीडिया अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी केन्द्रीय विष्वविद्यालय, मोतिहारी (बिहार)

ARTICLE INFO

Article history:

Received: 11 April, 2024

Revised: 05 May, 2024

Accepted: 22 May, 2024

Published: 20 June, 2024

Keywords:

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भारतीय संस्कृति, कला संस्कृति, मानव बुद्धिमत्ता, सांस्कृतिक विकास।

ABSTRACT

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) और संस्कृति दोनों ही आधुनिक समय की महत्वपूर्ण पहचान हैं। एक ओर, जहाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव बुद्धि को नकल करने का प्रयास करती है, वहीं दूसरी ओर संस्कृति व्यक्ति के जीवन, भाषा, और सांस्कृतिक विषेषताओं का अध्ययन करती है। इन दोनों के समायोजन से कला क्षेत्र में एक नई दिषा और दृष्टिकोण उत्पन्न हो रहा है जो हमारे समाज और संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भारतीय कला संस्कृति के संबंध ने एक नई दिषा दिखाई है जो भारतीय सांस्कृतिक विरासत को आधुनिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। यह संबंध न केवल भारतीय साहित्य और कला को उद्देष्ययुक्त बनाने में मदद करता है, बल्कि भारत की विविधता और समृद्धि को भी दुनियाभर में प्रस्तुत करता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भारतीय कला संस्कृति के मिलान से यह स्पष्ट होता है कि तकनीकी उपयोग कला को नया आयाम देता है, जिससे कला समृद्धि का मार्ग खुलता है। इस संबंध ने कला को अधिक प्रभावी और अद्वितीय बनाया है और भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण भूमिका को भी बनाए रखा है। इससे भारतीय कला संस्कृति का न केवल विकास हो पाया है, बल्कि उसे और भी उच्च स्तर पर पहुंचाने का माध्यम भी मिला है, जिससे भारतीय कला संस्कृति आधुनिक दुनिया के साथ बने रह सकती है। कला संस्कृति में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग शुरु हो चुका है, जैसे रंग, रूप, और आयाम पर सांस्कृतिक शोध करने के लिए तकनीक। इससे कला की विविधता और समृद्धि को नई दिषा मिल रही है और कला के षिल्पकला में नए और विषेष रूप उत्पन्न हो रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कला संस्कृति के इस मिलान के आधुनिक तकनीकी योगदान से कला के नए आयाम खुल रहे हैं। उदाहरण के लिए, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग चित्रकला और ग्राफिक्स डिजाइन में किया जा रहा है, जो विषेषतः 3क और वर्चुअल आर्ट क्षेत्र में नए अनुभवों को उत्पन्न कर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कला संस्कृति एक–दूसरे से मिलकर नई संभावनाओं का रास्ता खोल रहे हैं। ये दोनों क्षेत्र एक सषक्त और समृद्ध समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं और संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और विकास में मदद कर रहे हैं। प्रस्तुत शोध आलेख में विस्तार से चर्चा की गई है कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारतीय कला संस्कृति के संरक्षण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

प्रस्तावना

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिषियल इंटेलिजेंस) वह तकनीक है जो कंप्यूटर विज्ञान और गणित के माध्यम से मानव बुद्धिमत्ता की तरह कार्य करने का प्रयास करती है। यह तकनीक प्रौद्योगिकी उन्नति की अद्वितीय शाखा है जो मषीनों को सोचने और सीखने की क्षमता प्रदान करती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उद्भव और विकास तेजी से बढ़ रहा है और यह आधुनिक समाज को विभिन्न क्षेत्रों में विस्तारित होने का माध्यम बन रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भारतीय कला संस्कृति दो प्रमुख और व्यापक क्षेत्र है जो एक नये युग में भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को नयी ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए जुटे हैं। यह तकनीकी संयोजन न केवल भारतीय कला को उसके मौलिक रूप में संरक्षित रखने का एक उपाय है, बल्कि उसे नए और आधुनिक संदर्भों में भी प्रस्तुत करने का माध्यम भी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भारतीय कला संस्कृति दोनों विभिन्न क्षेत्र है, जो अपने तरीकों से विषेषता और भव्यता में महत्वपूर्ण हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने भारतीय कला संस्कृति बीच एक नया युग आरंभ किया है, जिसमें तकनीकी उन्नति का महत्वपूर्ण भूमिका है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भारतीय कला संस्कृति के बीच एक गहरा संबंध है, जिसने सांस्कृतिक रूपरेखा को नए दिषानिर्देष दिए है और संवाद के माध्यम से विभिन्न शैलियों, आदिकाव्यों और शैलीकलाओं को एक साथ मेल करने में मदद की है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भारतीय कला संस्कृति के जुड़ने के साथ ही तकनीकी उन्नति ने भारतीय कला के प्रसार को भी प्रोत्साहित किया है। डिजिटल माध्यमों के माध्यम से चित्रकला, संगीत और नृत्य को विष्वभर में प्रसारित किया जा रहा है, जिससे भारतीय संस्कृति का अद्वितीय और सुंदर पहलू दुनियाभर में प्रकट हो सकता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों में नई दिषाएँ खोली हैं। कला, संगीत, साहित्य और अन्य सांस्कृतिक शाखाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से नए और अद्वितीय रूपों की सृजनात्मकता का विकास हो रहा है। संगीत संस्कृति

***Corresponding Author:** हरिओम कुमार

Address: मीडिया अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी केन्द्रीय विष्वविद्यालय, मोतिहारी (बिहार)

Email ✉**:** hariom.eco@gmail.com

Relevant conflicts of interest/financial disclosures: The authors declare that the research was conducted in the absence of any commercial or financial relationships that could be construed as a potential conflict of interest.

© 2024, हरिओम कुमार, This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 License, which allows others to remix, tweak, and build upon the work non-commercially, as long as appropriate credit is given and the new creations are licensed under the identical terms.

में राग और ताल के परंपरागत निरीक्षण को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से नए संदर्भों में प्रस्तुत किया जा रहा है। कला और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बीच एक संबंध हो सकता है जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कला को संगठित और प्रस्तुत करने में किया जाता है। उदाहरण के रूप में, एक डिजाइनर या तकनीकी कला कार्यकर्ता जो लोक बुनाई या हस्तषिल्प को नए तकनीकी और डिजाइन तत्वों के साथ आधुनिक बनाता है, वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कर रहा है। यह उनके कार्य को और भी विस्तारित और विषेष बनाता है और उन्हें विभिन्न और अनूठे रूपों में प्रस्तुत करने में मदद कर सकता है। कला और कृत्रिम बुद्धिमत्ता दो महत्वपूर्ण और विभिन्न पहलुओं हैं जो संस्कृति और कला के विकास में योगदान करते हैं। जब वे एक साथ आते हैं तो नई और विषेष रूपों की सृजनात्मकता का मार्ग खुलता है और विष्व स्तर पर सांस्कृतिक धरोहर को प्रस्तुत करने में मदद करते हैं।

शोध उद्देष्य

भारतीय कला संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका का अध्ययन करना।

शोध संरचना

शोध अध्ययन की प्रकृति के अनुरुप शोध कार्य को संपादित करने के लिए पूर्णतः द्वितीयक तथ्यों पर आधारित वर्णनात्मक शोध प्ररचना को चुना गया, जिसमें ऐतिहासिक अध्ययन विधि को समावेषित किया गया है, ताकि अध्ययन की प्रस्तुति सरल व तार्किक रूप से की जा सके।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जिसे आमतौर पर आर्टिफिषियल इंटेलिजेंस (AI) कहा जाता है, मानव बुद्धिमत्ता के कार्यों को नकल करने की तकनीक है। यह उपकरण, प्रोग्राम, और सिस्टम का विकास करता है जो स्वतंत्रता से सोचने, समझने और कार्य करने की क्षमता रखता है। इसका उद्देष्य बुद्धिमत्ता के कार्यों को आवष्यकतानुसार करने के लिए संगठित तरीके से सिस्टम डिजाइन और प्रोग्राम करना होता है।

भारतीय कला संस्कृति को श्रेष्ठतम कला और विचार का मिश्रण माना जाता है, जो मनुष्य की आवष्यकताओं, विचारधारा, और आदर्षों को प्रकट करता है। यह संस्कृति अपने विविध रूपों में मनोरंजन, षिक्षा, आध्यात्मिकता, और सामाजिक संदेष को पहुंचाती है। रामधारी सिंह दिनकर जी के अनुसार संस्कृति एक ऐसा गुण है जो हमारे जीवन का हिस्सा है। एक ऐसा आत्मिक गुण है जो व्यक्ति के स्वाभाव में उसी तरह व्याप्त है, जिस प्रकार फूलों में सुगन्ध और दूध में मक्खन। संस्कृति का निमार्ण तो एक या दो दिन में नहीं होता, युग–युगान्तर में होता रहता है। [1]

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का संस्कृति से गहरा संबंध है। यह तकनीकी उन्नति उन विभिन्न संस्कृतियों के अध्ययन और समझने का एक नया तरीका प्रस्तुत करती है जो उनके विषेषताओं और विभिन्नताओं को उजागर करता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से विभिन्न सांस्कृतिक धरोहरों को विष्व स्तर पर प्रस्तुत करने का नया माध्यम बन रहा है। इससे संस्कृति को आधुनिकता के साथ जोड़ने का एक नया दृष्टिकोण उत्पन्न हो रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और कला संस्कृति दो विभिन्न विषय हैं जो मानव समाज और संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकी उन्नति का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो मानव बुद्धिमत्ता को मिमिक करने का प्रयास करता है, जबकि कला संस्कृति मानव समाज की भूमिकाओं, आदिकालिकताओं, और सांस्कृतिक धरोहर का अध्ययन करती है। यह लेख दोनों के बीच के संबंध को विवरित करेगा और यह दिखाएगा कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने कला संस्कृति को नई दिषा दिखाई है।

प्रारंभ में, कला संस्कृति विभिन्न भूमिकाओं, समुदायों, और क्षेत्रों की विविधता को उजागर करती है। यह लोगों के विचारों, भावनाओं और अनुभवों को व्यक्त करने का एक माध्यम है। भारतीय संस्कृति में भी विभिन्न रूपों की कला, संगीत, नृत्य, चित्रकला, और षिल्प का विकास हुआ है। इसके परंपरागत रूपों में कला जनसामान्य के बीच सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करती है और उसे आगे बढ़ाने में मदद करती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से भारतीय कला संस्कृति का संरक्षण और विकास निम्नलिखित रूपों में हो सकता है–

डिजिटल आर्काइविंग और संरक्षण

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से भारतीय कला संस्कृति की महत्वपूर्ण और प्रमुख रचनाओं, पुरातात्विक आकृतियों और सांस्कृतिक धरोहरों को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जा सकता है। यह आकर्षक और सुरक्षित रहता है और उन लोगों को उस सामग्री का अध्ययन और शोध करने का अवसर प्रदान करता है जिन्हें असल में पहुँचने की संभावना नहीं है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भारतीय कला संस्कृति के डिजिटल संदर्भ और संरचना के तकनीकी सहायता में कर सकते है। उदाहरण के रूप में, ऑनलाइन संग्रहणालयों और विद्वानों के लिए विचार, आलेख तक पहुंचने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा डिजिटल संदर्भ बनाने के लिए उपयुक्त तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। यह विभिन्न रूपों की चित्रकला, चित्र, आकृतियों और लेखों को डिजिटल रूप में संरक्षित करने में मदद कर सकता है। डिजिटल संदर्भ अनुसंधानकर्ताओं, शोधकर्ताओं, और सांस्कृतिक विषेषज्ञों को इस सामग्री का अध्ययन करने का अवसर प्रदान कर सकता है, जिससे उन्हें मूल स्थान पर जाने की संभावना नहीं है।

षिक्षा और प्रसारण

कृत्रिम बुद्धिमत्ता षिक्षा के क्षेत्र में विविधता और अधिगम को प्रोत्साहित कर सकती है। इसके माध्यम से ऑनलाइन षिक्षा, व्याख्यान या वर्चुअल यातायात स्थल का नकल देने में मदद की जा सकती है।

संगठन और प्रबंधन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता संगठनों और संस्थाओं को उनके विभागों के प्रबंधन और संगठन के लिए विभिन्न तकनीकी समाधान प्रदान कर सकती है। इससे संगठनों का संचय और संरक्षण हो सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग सांस्कृतिक महोत्सव और विषयक आयोजनों के लिए भी किया जा सकता है। यह इन आयोजनों को व्यावसायिकता और अधिवासी उपयोग के साथ संगठित कर सकता है, जिससे स्थानीय कला और सांस्कृतिक धरोहर का समर्थन हो सकता है।

कला व्यापार और विपणन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कला के व्यापारिक मुद्दों का समाधान करने के लिए किया जा सकता है। यह षिल्पकला, चित्रकला, और अन्य रूपों की विपणन को बढ़ा सकता है और कला व्यवसायियों को उनके कारोबार में उन्नति करने का एक नया तरीका प्रदान कर सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता विभिन्न रंग, रूप और रचनाओं का निर्माण करने के लिए उपयोग किया जा सकता है, जिससे भारतीय कला संस्कृति को नई दिषाएँ मिल सकती हैं।

भाषा अनुवाद और सम्प्रेषण

कृत्रिम बुद्धिमत्ता विभिन्न भाषाओं में सामग्री को समझने और अनुवाद करने में मदद कर सकती है। यह भारतीय कला संस्कृति को विभिन्न समुदायों और भाषाओं के लोगों तक पहुँचाने में सहायक हो सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुवाद और भाषा प्रोसेसिंग को सुधार सकती है, जो भारतीय कला को विष्व भर में प्रस्तुत करने में मदद कर सकता है।

कला षिक्षा और प्रशिक्षण

कृत्रिम बुद्धिमत्ता कला के क्षेत्र में नए रुचियों और निर्माणों को प्रेरित कर सकती है, जिससे संस्कृति के नए पहलुओं का निर्माण हो सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से विद्यार्थियों को कला के क्षेत्र में षिक्षित करने और प्रशिक्षित करने के उपाय विकसित किए जा सकते हैं। विभिन्न विद्यापीठों और संस्थाओं में ऑनलाइन षिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं जो छात्रों को भारतीय कला और संस्कृति के प्रति रुचि और ज्ञान में वृद्धि कर सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का

1 दिनकर, रामधारी सिंह (1962). संस्कृति के चार अध्याय. उदयांचल प्रकाशन. पटना. पृष्ठ संख्या– 35

उपयोग कला कार्यषालाओं और षिविरों का आयोजन करने में किया जा सकता है। ये आयोजन षिक्षा, प्रशिक्षण, और सांस्कृतिक विनिमय को बढ़ा सकते हैं और कला के प्रेमियों को एक स्थान पर आकर्षित कर सकते हैं।

प्रस्तुतिकरण और सांविदानिक रूप से

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तकनीकी माध्यम से कला को प्रस्तुत करने और प्रसारित करने के नए और सांविदानिक तरीके हो सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारतीय समाज में विभिन्न सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता और षिक्षा देने में सहायक हो सकती है। यह सामाजिक जागरूकता और सामाजिक सुधार को प्रोत्साहित कर सकती है जो भारतीय समाज में सकारात्मक बदलावों के लिए आवष्यक हैं।

सांस्कृतिक धरोहर की जानकरी के उपयोग में

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से, लोग भारतीय सांस्कृतिक स्थलों, महोत्सवों और धार्मिक यात्राओं का अध्ययन कर सकते हैं और उन्हें वर्चुअल रूप में अनुभव कर सकते हैं। यह विष्व भर में लोगों को भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का अनुभव करने का मौका देता है। ऑनलाइन पोर्टल्स और वर्चुअल योजनाएँ व्यक्तियों को वास्तविकता के करीब ले जाने का एक माध्यम प्रदान करते हैं जिन्हें वास्तविक योजनाओं की उपयोगिता नहीं हो सकती।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और कला संस्कृति का मिलान

कला संस्कृति, मानव समाज की अद्वितीय धरोहर का माध्यम है, जो रंग, संगीत, नृत्य, चित्रकला, साहित्य, और अन्य रूपों में व्यक्त होता है। कला संस्कृति न केवल हमारी भाषा और विषेष रूप में अनूठीता को प्रकट करती है, बल्कि मानवीय अभिव्यक्ति की गहराईयों में जाकर एक गहरा संबंध बनाती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) दुनियाभर में तकनीकी और विज्ञान में एक महत्वपूर्ण क्रांति लाई है, जिसमें मषीनों को सोचने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान की जाती है। यह तकनीक और विज्ञान में अद्वितीय रूप से सहायक सिद्ध हो रही है और विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग की जा रही है, जैसे कि स्वास्थ्य देखभाल, वित्त, और विनिर्माण।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता कला संस्कृति के विकास और प्रस्तुति में नए दरवाजे खोलता है, जो विषेष रूप से यहाँ तक कि कला संस्कृति के नए मानव बुद्धिमत्ता और व्यक्तिगत आयामों का निर्माण कर सकता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कला संस्कृति में संबंध

संगीत और कृत्रिम बुद्धिमत्ता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता कला संस्कृति के संगीत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता कला संस्कृति के संगीतकारों को संगीत रचना और संगीत प्रस्तुति की व्यावसायिक व्याकुलता को सुधारने का माध्यम प्रदान कर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एल्गोरिदम्स भव्य संगीत प्रस्तुत करने में सहायक हो सकते हैं और नए संगीतिक आविष्कार बना सकते हैं।

चित्रकला और कृत्रिम बुद्धिमत्ता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता कला संस्कृति में चित्रकला क्षेत्र में भी अद्वितीय योगदान कर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कला संस्कृति विषेषज्ञ और कलाकारों को नए और उन्नत चित्रकला तकनीकों का प्रयोग करके उनके षिल्प को बढ़ावा देता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कला संस्कृति के कलाकार और डिजाइनर भी अपने काम को नई तरह से तय कर सकते हैं और उनकी स्वच्छता को सुधार सकते हैं।

साहित्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता विज्ञान साहित्य और भाषा की विकासीय दिषाओं में मदद कर रहा है। साहित्यिक विष्व में कृत्रिम बुद्धिमत्ता कला संस्कृति के लेखकों और कवियों को नए और विभिन्न प्रकार के लेखन स्थितियों को विकसित करने में सहायक हो सकता है।

नृत्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता नृत्य कला संस्कृति के क्षेत्र में भी योगदान कर रहा है। नृत्य और मूवमेंट की विभिन्नता को अधिक अद्वितीय और रोचक बनाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से कला संस्कृति को लाभ

नई स्थितियों का निर्माण

कृत्रिम बुद्धिमत्ता कला संस्कृति विभिन्न संगठनों, अभ्यासकर्ताओं और कलाकारों को नए और सुधारित रूपों में कला संस्कृति का निर्माण करने की संभावना प्रदान करती है।

क्रियात्मकता और अद्वितीयता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता कला संस्कृति कला की नई और अद्वितीय रूपरेखाओं और स्वच्छता के संभावनाओं को बढ़ाता है।

कला को विष्व स्तर पर प्रस्तुत करने की क्षमता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता कला संस्कृति विभिन्न भाषाओं और सांस्कृतिक समुदायों के बीच सांघटन और समर्थन प्रदान करता है। भारतीय संस्कृति तो निगमनात्मक संस्कृति है। जिस संस्कृति में मानव जीवन की संपूर्ण संरचना मानव तथा ब्रह्माण्ड के बीच सर्वांगपूर्ण संबंधों पर टिकी होती है, उसे निगमनात्मक संस्कृति कहते हैं।[2]

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कला संस्कृति का मिलान हमारी सांस्कृतिक धरोहर को नए दिषाओं में ले जाने का एक नया और उदार माध्यम प्रदान करता है। यह एक उच्च स्तर की सृजनात्मकता और नई योजनाओं को संभावित करता है जो हमारे समाज को और भी समृद्ध बना सकते हैं।

निष्कर्ष

कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारतीय कला संस्कृति के संरक्षण और विकास के लिए अद्वितीय और प्रभावी उपाय हो सकती है। इससे न केवल संस्कृति की मौलिकता को संरक्षित किया जा सकता है, बल्कि उसे नए और आधुनिक संदर्भों में भी प्रस्तुत किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भारतीय कला संस्कृति का संरक्षण और विकास एक अद्वितीय और सकारात्मक मार्ग है जो हमें अपने धरोहर को आधुनिकता के साथ जोड़ने का एक नया तरीका प्रदान करता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और संस्कृति दोनों ही आधुनिक समय के महत्वपूर्ण हिस्से हैं जो हमारे समाज और संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं। इनके समायोजन से हम एक नई दिषा और दृष्टिकोण को स्वीकार कर रहे हैं जो हमारे समाज को और अधिक विस्तृत और समृद्ध बना रहा है।

यह एक नये युग का आरंभ है जहां परंपरा और तकनीकी उन्नति का संगम हो रहा है और भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को विष्व स्तर पर प्रस्तुत करने का नया माध्यम है। इसप्रकार भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की महती भूमिका है।

संदर्भ सूची

1. चक्रवर्ती, उत्पल (2020). आर्टिफिषियल इंटेलिजेंस फॉर ऑल. बीपीबी पब्लिकेषंस. नोएडा
2. तिवारी, शैलेन्द्र (2019). डिजिटल मीडिया. इन्द्रा पब्लिषिंग हाउस. दिल्ली
3. कुमार, सुरेष (2009). इंटरनेट पत्रकारिता. तक्षषिला प्रकाशन. नई दिल्ली
4. सिंह, श्रीकांत (2021). अन्तर सांस्कृतिक संचार. कोषल पब्लिकेषंस. अयोध्या
5. कुमार, केवल जे (2017). भारत में जनसंचार. जायको पब्लिकेषन. दिल्ली
6. https://www.drishtiias.com/hindi/to-the-points/paper3/artificial-intelligence-23
7. https://www.mcu.ac.in/media-nav-chintan/

2 ठेंगड़ी, दत्तोपंत (1992). हिन्दू कला दृष्टि. सुरुचि प्रकाशन. नई दिल्ली. पृष्ठ संख्या– 46

HOW TO CITE THIS ARTICLE: कुमार, ह., कुमार, प्र. (2024). भारतीय कला संस्कृति के संवर्धन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका. *Journal of Communication and Management*, 3(2), 138-140. DOI: 10.58966/JCM2024329